नई उपलब्धियों के साथ उप्र में उद्योगों के लिए अनुकूल अवसर : योगी

बुनियादी ढांचे की बड़ी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा उप्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : औद्योगिक संगठन फिक्की के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उप्र नई उपलब्धियों और प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल अवसर के साथ सामने हैं। ईज आफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में 14वें पायदान पर रहे उप्र ने बीते छह वर्षों के दौरान लंबी छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया है। उप्र बुनियादी ढांचे की बड़ी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। पहले पूर्वी उप्र और बुंदेलखंड अवस्थापना सुविधाओं से वंचित थे। वर्ष 2016 में जिस बुंदेलखंड में केंद्र सरकार को टैंकर से पानी भेजना पड़ता था, वहां आज हर घर में नल से पानी पहुंच रहा है। राज्य सरकार झांसी-बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण का गठन करने जा रही है। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2023 में प्राप्त हुए 36 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश के प्रति उद्योग जगत और निवेशकों के विश्वास का प्रतीक है। वर्ष 2017 से पहले जो एमएसएमई सेक्टर दम तोड़ चुका था, वह आज बाजार में नए रूप में उभरा है। एक जिला एक उत्पाद योजना ने प्रदेश को मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित किया है। वर्तमान में प्रदेश का निर्यात लगभग दो लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि गांवों को मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित कर युवाओं को रेडीमेड गारमेंट के उत्पादन से भी जोड़ना चाहिए। इस वित्तीय वर्ष में 25 लाख युवाओं को टैबलेट/स्मार्टफोन उपलब्ध कराने की योजना है। मुख्यमंत्री ने फिक्की के प्रतिनिधियों से प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को फिक्की की परंपरा के अनुसार संगठन की ओर से ग्रीन सर्टिफिकेट प्रदान किया गया, जिसके तहत उनके नाम पर 10 पौधे रोपे जाएंगे।

\कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, फिक्की के पदाधिकारी मौजूद थे।

लखनऊ में मंगलवार को होटल ताज में फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण

भू माफिया से मुक्त कराई 64000 हेक्टेयर जमीन

मुख्यमंत्री ने कहा कि एंटी भू माफिया टास्क फोर्स गठित कर 64000 हेक्टेयर जमीन को भू माफिया के कब्जों से मुक्त कर उद्योग के लिए लैंड बैंक तैयार किया गया है। छह वर्ष पहले प्रदेश में बैंकों का ऋण-जमा अनुपात 42 प्रतिशत था, जो बढ़कर अब 56 प्रतिशत पहुंच चुका है। हम इसे बहुत जल्दी 60 प्रतिशत तक ले जाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

एक जिला एक उत्पाद से औद्योगिक केंद्र बन रहा यूपी

जागरण संवाददाता, लखनऊः लखनऊ के होटल ताज महल में फिक्की की मंगलवार को हुई राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक में फिक्की के अध्यक्ष शुभ्रकांत पांडा ने कहा कि प्रदेश में उद्योग-व्यापार के लिए अनुकूल माहौल बना है। प्रदेश की विविधता और आबादी को व्यवस्थित करने के लिए एक जिला और एक उत्पाद की अच्छी पहल राज्य सरकार ने की है। फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. अनीश शाह ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे में सुधार होने से व्यापार करने में आसानी हुई है। फिक्की के महासचिव शैलेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने की रणनीति पर काम कर रहा है। उत्तर प्रदेश से उत्तम प्रदेश और सर्वोत्तम प्रदेश में परिवर्तन का यह सफर निश्चित ही आगे बढ़ता रहेगा। यूपी आन द मूव सत्र को आगे बढ़ाते हुए फिक्की यूपी स्टेट काउंसिल के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में एक्सप्रेसवे का सबसे लंबा नेटवर्क, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की सबसे बड़ी संख्या, कामकाजी उम्र की आबादी का उच्चतम अनुपात और देश का सबसे बड़ा उपभोक्ताओं का केंद्र है। उत्तर प्रदेश में वित्त वर्ष 2023 में 16 प्रतिशत का निवेश प्रवाह देखा गया, जो देश के सभी राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है।